Scheme of Examination of BA (Hons.) Sanskrit

w.e.f. 2012-13

Semester	Paper No.	Nomenclature	Total marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem-1	Paper-I	Gadya 1	100	80	20	3 Hrs
	Paper-II	Padhya 1	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs
		Qualifying	100	80	20	3 Hrs
Sem-II	Paper-III	Gadya 2	100	80	20	3 Hrs
	Paper-IV	Padhya 2	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs
		Qualifying	100	80	20	3 Hrs
Sem-III	Paper-V	Sanhita Sahitya	100	80	20	3 Hrs
	Paper-VI	Natak 1	100	80	20	3 Hrs
	Paper-VII	Vyakaran	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs
Sem-IV	Paper-VIII	Upnishat Sahitya	100	80	20	3 Hrs
	Paper-IX	Natak 2	100	80	20	3 Hrs
	Paper-X	Nibandh, Anuvad Evam Patra Lekhan	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs
Sem-V	Paper-XI	Kavya Shastra	100	80	20	3 Hrs
	Paper-XII	Kavya Shastra Evam Kavya Shastra ka Itihas	100	80	20	3 Hrs
	Paper-XIII	Darshan	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs
Sem-VI	Paper-XIV	Dharma Shastra	100	80	20	3 Hrs
	Paper-XV	Vyakaran tatha Anuvad	100	80	20	3 Hrs
	Paper-XVI	Vyakaran tatha Nibandh	100	80	20	3 Hrs
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs

Qualifying Subjects

1. English
2. Hindi
3. Sanskrit
4. Punjabi
5. Urdu

Subsidiary Subjects

Any One allied Subject from the following-

1. English
2. Hindi
3. Sanskrit
4. Music
5. Dance
6. Panjabi
7. Fine Arts
8. Urdu
9. French
10. Economics
11. Political
12. History
13. Philosophy
14. Psychology
15. Public Administration
16. Sociology
17. Geography
18. Defense Studies
19. Mathematics
20. Home Science

1. The Same Language cannot be offered as main subject as well as subsidiary and/ or Qualifying subjects.

Syllabus of B.A. Hon's Course in Sanskrit

w.e.f. 2012-13

बी.ए. (आनस) सस्कृत

प्रथम सामसत्र

प्रथम पत्र (गद्य -1) समयः 3 घण्टे
कुल अंक- 80

यूनिट	1.	(क) अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (प्रथम -निःश्वास – आरम्भ से ----कथ्यता का दशा भारतवषेस्य तक)	20
यूनिट	2.	अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (प्रथम -निःश्वास – शेष भाग)	20
यूनिट	3.	बाणभट्ट कृत कादम्बरी (शुकनासोपदेश- एव समतिक्रामत्सु दिवसेसु राजाचन्द्रापीडस्य ----श्रुताप्यभिसधत्ते चिन्तितापि वञ्चयति तव)	20
यूनिट	4.	बाणभट्ट कृत कादम्बरी (शुकनासोपदेश- शेष भाग)	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

यूनिट-1	(क) चार गद्याशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-2	(क) चार गद्याशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-3	(क) चार गद्याशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-4	(क) चार गद्याशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6

द्वितीय पत्र (पद्य-1)

समयः 3 घण्टे कुल अंक- 80

यूनिट	1.	कालिदास कृत रघुवंशम् (प्रथम -सर्ग) (1-48)	20
यूनिट	2.	कालिदास कृत रघुवंशम् (प्रथम -सर्ग) (49-95)	20
यूनिट	3.	अश्वघोष कृत बुद्धचरित (प्रथम -सर्ग) (1-45)	20
यूनिट	4.	अश्वघोष कृत बुद्धचरितम् (प्रथम -सर्ग) (46-89)	20

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित है-

यूनिट-1	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-2	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक	16=6
यूनिट-3	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्र	16=6
यूनिट-4	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6

द्वितीय सामिसत्र

तृतीय पत्र (गद्य -II)

समयः 3 घण्टे कुल अंक- 80

यूनिट 1. अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (द्वितीय-निःश्वास – विचित्रगायकममु सहानिनाय तक) 20

यूनिट 2. अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (द्वितीय--निःश्वास – शेष भाग) 20

यूनिट 3. दण्डी कृत दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम् – आरम्भ से ---प्रक्षपित प्रवीरमनन्तवमेकट जजेरमकुर्वन् तक) 20

यूनिट 4. दण्डी कृत दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम् –अथ वसन्तभानुर्भानुवमोण नाम वानवास -- से अन्त तक) 20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

यूनिट-1	(क) चार गद्यांशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-2	(क) चार गद्यांशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-3	1) चार गद्यांशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-4	1) चार गद्यांशो मे से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो मे से एक आलोचनात्मक प्र	16=6

चतुर्थ-पत्र (पद -II)

समयः 3 घण्टे

कुल अंक- 80

यूनिट 1. कालिदास कृत रघुवंशम् (द्वितीय-सर्ग श्लोक 1-38) 20

यूनिट 2. कालिदास कृत रघुवंशम् (द्वितीय-सर्ग श्लोक 39-75) 20

यूनिट 3. भारवि कृत किरातार्जुनीयम् (प्रथम-सर्ग श्लोक 1-23) 20

यूनिट 4. भारवि कृत किरातार्जुनीयम् (प्रथम-सर्ग श्लोक 24-46) 20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट में से दो) पूछे जायेंगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नों के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

यूनिट-1	(क) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-2	(क) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-3	(क) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
यूनिट-4	(क) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	25=10
	(ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्र	16=6

तृतीय सामेसत्र

पचम पः-5 (साहेता साहित्य)

समयः 3 घण्टे कुल अंक- 80

यूनिट	1.	ऋग्वेद-	20
		आग्नि (1.2), इन्द्र (1.81), विष्णु सूक्त (7.100),	
यूनिट	2.	ऋग्वेद-	
		अक्षसूक्त (10.34), हिरण्यगभ (10.121), सगठनसूक्त (10.191)	20
यूनिट	3.	यजुवेद का 31वाँ अध्यार	20
यूनिट	4.	अथववद-	20
		ब्रह्मचय सूत्त (11.5)	

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलोखेत हैं-

यूनिट-1	ऋग्वेद-	
	(क) 4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्या	25=10
	(ख) सूक्तगत मन्त्रो के 6 क्रियापदो मे से 3 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन	32=6
यूनिट-2	(क) 4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्य	25=10
	(ख) सूक्तगत मन्त्रो के 6 क्रियापदो मे से 3 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन	32=6
यूनिट-3	(क) 4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्य	25=10
	(ख) **अध्याय**गत मन्त्रो के 6 क्रियापदो मे से 3 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन	32=6
यूनिट-4	(क) 4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्य	25=10
	(ख) सूक्तगत मन्त्रो के 6 क्रियापदो मे से 3 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन	32=6

षष्ठ -पत्र (नाटक-1)

समयः 3 घण्टे कुल अंक- 80

यूनिट	1.	स्वप्नवासवदत्तम् (एक से तीन अंक)	20
यूनिट	2.	स्वप्नवासवदत्तम् (चार से छः अंक)	20
यूनिट	3.	नाटक से सबन्धित पारिभाषिक शब्दो का परिचय (नाटक, सूत्रधार , विदूषक, नान्दी , प्रस्तावना , विष्कम्भक , अपवारितम्, जनान्तिकम् स्वगतम् , आकाशभाषितम्, भरतवाक्यम्)	20
यूनिट	4.	(क) रूपक के लक्षण व भेद	10
		(ख) भास की रचनाओ का सामान्य परिचय	10

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं-

यूनिट-1	स्वप्नवासवदत्तम्	
	(क) 4 मे से 2 श्लोको की व्याख्या	26=12
	(ख) दो मे से एक सूक्ति की व्याख्या	14=4
यूनिट-2	स्वप्नवासवदत्तम्	
	(क) 4 मे से 2 श्लोको की व्याख्या	26=12
	(ख) दो मे से एक सूक्ति की व्याख्या	14=4
यूनिट-3	चार पारिभाषिक शब्दो के लक्षण व उदाहरण सहित टिप्पणी	44=16
यूनिट-4	(क) रूपक के भेदो मे से दो मे से एक भेद पर टिप्पणी	18=8
	(ख) भास की किन्ही दो रचनाओ मे से एक पर लघु निबन्ध	18=8

सप्तम पत्र (व्याकरण)

समयः 3 घण्टे — कुल अंक- 80

यूनिट 1. सन्धि प्रकरण — 20

1) अच् सन्धि
2) हल् सन्धि
3) विसर्ग सन्धि

यूनिट 2. शब्द रूप - — 20

अजन्त तीनो लिंगो मे (राम, सर्व, एक, पूर्व, प्रथम, द्वितीय, निर्जर, विश्वप, हरि,

साधु, सखि, पति, भूपति, त्रि, प्राधि, ग्रामणी, □□, क्रोष्टु, स्वभू, □□,पितृ, भ्रातृ,

□,□□, □□, सर्वा, द्वितीय, □□, त्रि, गौरी, स्त्री, श्री, □□,भू, □□,स्वसृ, ज्ञान,

□□□, वारि, □□, □□)□

□□□ 3. धातुरू - पाँचो लकारो (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) मे निम्नलिखित धातुओ के रूप- — 20

भ्वादिगण - □,क्रीड्, □□,जि, त्यज, दृश, □□,□□, पठ, □□,□□□,वद, □□,श्रु, सह, □□,□□□

अदादिगण- अद, दुह, □□, ब्रू, शीङ्, स्न, स्वप, □□□

जुहोत्यादिगण- □,□□, □□, □□

दिवादिगण- दिव्, क्रुध्, □□,□□□,□□□

स्वादिगण - □□□,□□□

तुदादिगण- □□,□□□,क्षि, □,पृच्छ, विश्

रुधादिगण- रुध, □□,भिद्

क्र्यादिगण - क्री

चुरादिगण - □□,□□□,□□□,□□□,भक्ष

□□□ 4. कृदन्त प्रकरण- — 20

क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप, □□□,□□□,□□□□,□□□,तव्यत, □□□□, □□,ल्यु, क्तिन, णिनि, ण्वुल

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाँच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1

(□) अच् सन्धि मे 8 मे से 4 पदो मे सन्धि अथवा विच्छेद प्रदशन 42=8

(□) हल् सन्धि तथा विसर्ग सन्धि मे 8 मे से 4 पदो मे सन्धि अथवा विच्छेद प्रदशन 42=8

□□□□-2 8 मे से किन्ही 4 शब्दो के सम्पूर्ण शब्द रूप 44=16

□□□□-3 □) भ्वादिगण, अदादिगण, जुहोत्यादिगण, दिवादिगण, स्वादिगण

चार मे से किन्ही दो धातुओ के निर्दिष्ट लकार मे सम्पूर्ण रूप 24=8

□) तुदादिगण, रुधादिगण, क्र्यादिगण, चुरादिगण,

चार मे से किन्ही दो धातुओ के निर्दिष्ट लकार मे सम्पूर्ण रूप 24=8

□□□□-4 15 शब्दो मे से किन्ही 8 मे प्रकृति-प्रत्यय प्रदशन 8X2=16

चतुथ सामिसत्र

अष्टम प -8 (उपानेषद् साहित्य)

□□□□ 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　□□ □□- 80

□□□□	1.	ईशोपानेषद	20
□□□□	2.	कठोपानेषद् (प्रथम अध्याय)	20
□□□□	3. 20	कठोपानेषद् (द्वितीय अध्याय)	
□□□□	4.	एकादशोपानेषद् का सामान्य पारेचय	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे　　8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1　ईशोपानेषद

(□)	4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्या	25=10
(□)	एक आलोचनात्मक प्र	16=6

□□□□-2　कठोपानेषद

(□)	4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख	25=10
(□)	एक आलोचनात्मक प्र	16=6

□□□□-3　कठोपानेषद

(□)	4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्य	25=10
(□)	एक आलोचनात्मक प्र	16=6

□□□□-4　एकादशोपानेषद

(□)	3 मे से 2 उपानेषदो पर टिप्पणी	28=16

नवम पत्र (□□□□-II)

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□	1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-2 □□)	20
□□□□	2.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3-4 □□)	20
□□□□	3.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5-7 □□)	20
□□□□	4.	कालिदास परिचय तथा उनकी रचनाओ का सामान्य परिचय	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□ 1.	(□) चार मे से दो श्लोको की व्याख्या	2X5=10
	(□) तीन सूक्तियो मे से दो को व्याख्या	2X3=6
□□□□ 2.	(□) चार मे से दो श्लोको की व्याख्या	2X5=10
	(□) तीन सूक्तियो मे से दो को व्याख्या	2X3=6
□□□□ 3.	(□) चार मे से दो श्लोको की व्याख्या	2X5=10
	(□) तीन सूक्तियो मे से दो को व्याख्या	2X3=6
□□□□ 4.	कवि तथा उनकी कृतियो से सम्बद्ध तीन मे से दो पर टिप्पणी	2X8=16

दशम पत्र (निबन्ध, अनुवाद एव पत्र लेखन)

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□ 1. साहित्यिक निबन्ध 20

- □□, □□□□, उपनिषद , □□□□□□, □□□□□□□, □□□□,

□□□□ 2. साहित्यिक निबन्ध

□□□, □□□□□□□, भारवि, □□□, हर्ष, □□□□□, □□□, दण्डी 20

□□□□ 3. □□□□□

i. □स्कृत से हिन्दी अनुवाद 10

ii. हिन्दी से सस्कृत अनुवाद 10

□□□□ 4. पत्र लेखन 20

(पिता को पत्र, माता को पत्र, भाई को पत्र, बहन को पत्र, मित्र को पत्र,

प्रधानाचार्य को पत्र, कार्यालय अधिकारी को पत्र, समाचार पत्र के सम्पादक को प)

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ

प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1 निर्धारित विषयो से सम्बद्ध 2 निबन्धो मे से किसी एक विषय पर कम से कम 250

शब्दो का सस्कृत मे निबन्ध 1X16=16

□□□□-2 निर्धारित विषयो से सम्बद्ध 2 निबन्धो मे से किसी एक विषय पर कम से कम 250

शब्दो का सस्कृत मे निबन्ध 1X16=16

□□□□-3 (□) अपठित सस्कृत गद्य का हिन्दी अनुवा 8

(□) अपठित हिन्दी गद्य का सस्कृत अनुवाद 8

□□□□-4 पूछे गये किन्ही 3 मे से एक विषय पर सस्कृत मे पत्र लेखन- 16

पञ्चम सामिसत्र

एकादश पत्र (काव्यशा)

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

पाठ्य पुस्तक काव्यदीपि

□□□□ 1. काव्य प्रयोज , लक्ष , □□, एव शब्दशा 20

□□□□ 2. □□, रूपव -□□, लक्ष , नाट्य तत्त 20

□□□□ 3. □□, □□□, रीति 20

□□□□ 4. □□□□□- 20

अनुप्रास, □□□, श्लेष, □□□□, उत्प्रेक्षा, रूपव , अपह्नुति, दृष्टान्त, दीपक, स्वभावो , अर्थान्तरन्यास, विशेषो , समासो , विभावना, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रश , तुल्ययोगिता, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(1) चार श्लोको मे से दो की सप्रसग व्याख्या	24=8
	(2) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-2	(1) चार श्लोको मे से दो की सप्रसग व्याख्या	24=8
	(2) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-3	(1) चार श्लोको मे से दो की सप्रसग व्याख्या	24=8
	(2) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-4	छः अलकारो मे से चार के लक्षण एव उदाहरण	44=16

द्वादश पत्र (काव्यशास्त्र एव का शास्त्र का इतिहास)

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□ 1. काव्यादर्श, प्रथम परिच्छेद (कारिका 1-40) 20

□□□□	2.	काव्यादर्श, प्रथम परिच्छेद (कारिका 41-105)	20
□□□□	3.	□□□, □□□□, दण्डी, आनन्दवर्धन	20
□□□□	4.	अभिनवगुप्त, मम्मट, विश्वनाथ, जगन्नाथ	20

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट में से दो) पूछे जायेंगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नों के यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(1) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	24=8
	(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-2	(1) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	24=8
	(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-3	दो में से एक आचार्य अथवा कृति सम्बन्धित सामान्य प्रश्न	1X16=16
□□□□-4	दो में से एक आचार्य अथवा कृति सम्बन्धित सामान्य प्रश्न	1X16=16

त्रयोदश पत्र (दशन)

□□□□ 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　□□ □□- 80

□□□	1.	तके सग्रह- [आरम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्य] (तत्त्वदीपिका रहित)	20
□□□	2.	तके सग्रह-[अनुमान प्रमाण से लेकर अन्त तक] (तत्त्वदीपिका रहित)	20
□□□	3.	श्रीमद्भगवद्गीता - (द्वितीय अध्याय)	20
□□□	4.	श्रीमद्भगवद्गीता - (तृतीय अध्याय)	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे　　　　8X2=16

□□ चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□-1	(1) चार मे से दो सदर्भो की सप्रसग व्याख्या	24=8
	(2) दो मे से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	18=8
□□□-2	(1) चार मे से दो सदर्भो की सप्रसग व्याख्या	24=8
	(2) दो मे से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	18=8
□□□-3	4 मे से 2 श्लोको की व्याख्या	2X8=16
□□□-4	4 मे से 2 श्लोको की व्याख्या	2X8=16

षष्ठ सांमेसत्र,

चतुदेश पत्र (धमेशार)

□□□□ 3 घण्टे — □□ □□- 80

□□□□	1.	मनुस्मृांते (प्रथम अध्याः)	20
□□□□	2.	मनुस्मृांते (द्वितीय अध्यार)	20
□□□□	3.	ाविदुरनीाते (प्रथम अध्याः)	20
□□□□	4.	ाविदुरनीाते (द्वितीय अध्याः)	20

ादिशा ानिदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायगे ाजिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुानेष्ठ होगा ाजिसमे आठ वस्तुानेष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूानेट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूानेट अनुसार ानिदेश अधााोलाखेत हैं-

□□□□-1,2	(□) चार मे से दो को सप्रसग व्याख्या	24=8
	(□) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-2	(□) □□□ मे से दो को सप्रसग व्याख्या	24=8
	(□) दो मे से एक आलोचनात्मक प्र:	18=8
□□□□-3	(□) चार मे से दो को सप्रसग व्याख्या	24=8
	(□) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8
□□□□-4	(□) चार मे से दो को सप्रसग व्याख्या	24=8
	(□) दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	18=8

पञ्चदश पत्र (व्याकरण तथा अनुवाद)

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□ 1. शब्द रूप (हलन्त) 20

□□□ □(तीनो लिंगो मे), तद् (तीनो लिंगो मे), □□□□(तीनो लिंगो मे), अनडुह्,

विद्वस्, चन्द्रमस्, □□□,□□□□,□अस्मद्, युष्मद्, □□□□,□□□□,□□□□,□□□□,□

दण्डिन्, वृत्रहन्

□□□□ 2. लिट्, लुट्, लृट्, आशीलिङ्, लुङ्, लकारो मे निम्न धातुओ के रूप 20

पठ्,□,□□□,□□□,□□□,□□□, □□, □□,□वद्, □□ □, □□, खाद्, श्रु, □□,□□□,□

स्था, □□,□स्वप्, □□□,□क्रुध्,

□□□□ 3. प्रक्रिया र - □□□□-2 मे प्रदत्त धातुओ के णिजन्त, सन्नन्त रूप तथा नाम धा

(केवल लट् लकार) 20

□□□□ 4. □□□□ □□□ 20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1 6 मे से 4 के सभी विभक्तियो व वचनो मे रूप 44=16

□□□□-2 6 मे से 4 □□□□ □□□सभी पुरुष व वचनो मे रूप 44=16

□□□□-3 (□) 5 मे से 3 धातुओ के लट् लकार के सभी वचनो व पुरुष मे रूप 3X4=12

(□) प्रकृति प्रत्यय एव रूप सबन्धी 4 मे से 2 प्रश्न 2X2=4

□□□□-4 (□) 4 मे से 2 कारको की सोदाहरण परिभाषा 2X4=8

(□) 8 मे से 4 सस्कृत वाक्यो मे कारक की दृष्टि से सशोधन 4X2=8

षोडश पत्र (व्याकरण तथा निबन्ध)

□□□□ 3 घण्टे   □□□ □□- 80

□□□□	1.	□□□□- अव्ययीभाव, तत्पुरुष (भेद सहित), बहुव्रीहि, द्वन्द्व	20
□□□□	2.	तद्धित -	20
		अपत्यार्थक- □□,□□□,□□□,□□□,□□	
		रक्तार्थव - □□,□□□ □	
		शैषिक- □,□□, □□,□त्यक, □, □□,□□□,□□□,□□□ □	
		□□□□□□□- □□□	
		भावकर्मार्थक- त्व, □□,□□□□□□ □	
□□□□	3.	(□) स्त्री प्रत्यय (□□□,ङीप्, ङीष्, ङीन्, ऊङ्, □□)	10
		(□) वाच्य परिवर्तन	10
□□□□	4.	निबन्ध	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट में से दो) पूछे जायेंगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नों के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(□) दो समासों के लक्षण एवं उदाहरण	2X4=8
	(□) चार पदों में समास अथवा विग्रह प्रदर्शन	4X2=8
□□□□-2	प्रकृति एवं प्रत्यय संबन्धी प्रश्न 8 में से 4 रूप	44=16
□□□□-3	(1) 8में से 4 रूपों में प्रत्यय सम्बन्धी प्र	4X2=8
	(2) 8में से 4 वाक्यों का वाच्य परिवर्तन	4X2=8
□□□□-4	चार में से एक विषय पर 200-250 शब्दों का निबन्ध	1X16=16

Syllabus of Qualifying Sanskrit for Various B.A. Hon's Courses
w.e.f. 2012-13
प्रथम सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□	1.	(□) संस्कृत चयनिक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन पद्य भाग - 1-6 □□□	10
		(□) संस्कृत चयनिक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन गद्य भाग - 1-10 □□□	10
□□□□	2.	शब्दरू - □□□□, कवि, □□□,□□, □□□,पितृ, सर्व तीनो लिगो मे	20
□□□□	3.	धातुरू - □,□□□,वद, □□,पठ, स्था, (लट्, लृट्, लोट, लङ्, विधिलिङ्, लकारो मे)	20
□□□□	4.	(□) सन्धि - स्वर सन्धिः	10
		(□) □□□□□- सरल हिन्दी वाक्यो का संस्कृत मे अनुवाद	10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 □□ □□कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(□) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ	2X4=8
	(□) 4 मे से किन्ही 2 गद्यांशो का सरलार्थ	2X4=8
□□□□-2	4 शब्दो मे से किन्ही 2 शब्दो के सम्पूर्ण रूप	2X8=16
□□□□-3	4 धातुओ मे से किन्ही 2 □□□□ □□□□□□□□□2 लकारो मे सम्पूर्ण रूप	2X8=16
□□□□-4	[□] (i) दो मे से किसी एक सन्धि की सोदाहरण परिभाषा	1X4=4
	(ii) आठ मे से किन्ही 4 प्रयोगो मे सन्धि अथवा विग्रह प्रदर्शन	4X1=4
	[□] आठ सरल हिन्दी वाक्यो मे से चार का संस्कृत मे अनुवाद	4X2=8

द्वितीय सामेसत्र

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□	1.	(□) सस्कृत चयानेक, कुरुक्षेत्र विश्वाविद्यालय प्रकाशन पद्य भाग - 7-12 □□□	10
		(□) सस्कृत चयानेक, कुरुक्षेत्र विश्वाविद्यालय प्रकाश गद्य भाग - 11-18 □□□	10
□□□□	2.	शब्दरू - □□□□,□विद्वस्, अस्मद्, युष्मद्, तद् और इदम् तीनो लिगो मे	20
□□□□	3.	धातुरू - □□,□□□ (यच्छ), □,□,□,□□,□ (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग, लकारो मे)	20
□□□□	4.	(□) सन्धि- व्यञ्जन सन्धि:, परिभाषा रहित, प्रयोगम	10
		(□) □□□□□□- सरल हिन्दी वाक्यो का सस्कृत मे अनुवाद	10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(□) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ	2X4=8
	(□) 4 मे से किन्ही 2 गद्याशो का सरलार्थ	2X4=8
□□□□-2	4 शब्दो मे से किन्ही 2 शब्दो के सम्पूर्ण रूप	2X8=16
□□□□-3	4 धातुओ मे से किन्ही 2 □□□□ □□□□□□□□□2 लकारो मे सम्पूर्ण रूप	2X8=16
□□□□-4	[□] (i) दो मे से किसी एक सन्धि की सोदाहरण परिभाषा	1X4=4
	(ii) आठ मे से किन्ही 4 प्रयोगो मे सन्धि अथवा विग्रह प्रदर्शन	4X1=4
	[□] आठ सरल हिन्दी वाक्यो मे से किन्ही चार का सस्कृत मे अनुवाद	4X2=8

Syllabus of Subsidiary Sanskrit for Various B.A. Hon's Courses

w.e.f. 2012-13

प्रथम सामिसत्र

□□□- 3 □□□ □□-80

□□□□ 1. सरल हिन्दी वाक्यो का सस्कृत मे अनुवाद 20

□□□□ 2. हितोपदेशः (मित्र लाभः- □□□□□, □□□-□□-कूर्म-मूषिका-□□□, गृ -विडाल-□□□) 20

□□□□ 3. (□) शब्दरू - □□□, कवि, □□□, पितृ, □□□, □□□, नदी, □□, □□, □□□, □□□, वारि, □□□ 10

(□) धातुरू - □, पट , □□ □, □□, □□□, □□□, □□□, क्रुध, □□, □□□, अद , □□, □ 10

प्रच्छ , चिन्त्

□□□□ 4. सन्धि - अच् सन्धिः, हल् सन्धिः, विसर्ग सन्धिः 20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1 12 सरल हिन्दी वाक्यो मे से 8 का सस्कृत मे अनुवाद 8X2=16

□□□□-2 (□) किन्ही 6 गद्याशो या पद्याशो मे से किन्ही 3 का सरलार्थ 3X4=12

(□) किन्ही 2 कथाओ मे से 1 □□ □□□□ 1X4=4

□□□□-3 (□) चार शब्दो मे से किन्ही 2 शब्दो के सम्पूर्ण रूप 2X4=8

(□) चार धातुओ मे से किन्ही दो धातुओ के पूछे गये दो लकारो मे सम्पूर्ण रूप 2X4=8

□□□□-4 (□) 2 मे से किसी एक सन्धि की सोदाहरण परिभाषा 1X6=6

(□) 8 मे से किन्ही 5 प्रयोगो मे सन्धि अथवा विग्रह प्रदर्शन 5X2=10

द्वितीय सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□	1.	(□) सरल हिन्दी वाक्यो का सस्कृत मे अनुवाद	16
		(□) कण्ठस्थ श्लोक	4
□□□□	2.	(□) दूतवाक्यम् (भासविरचितम्)	10
		(□) □□□□□□□□□ (कादम्बरीत)	10
□□□□	3.	(□) शब्दरू - आत्मन् , दण्डिन् , □□□,सरित्, सर्व, तद् , एतद् , यद् , किम्, □□□ □(तीनो लिगो मे) अस्मद् , युष्मद् , □□, द्वि, त्रि, □□□,□□□,□	10
		(□) धातुरू -□□,□□□,रुच् , मुद् , □□□,□(आत्मनेपद) □,□□, ह्, □□,□□□,□(□□□□□□)	10
□□□□	4.	छन्द - वशस्थ , शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलक , शार्दूलविक्रीडितम्, अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रव , उपेन्द्रवज्र , □□□□□	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

□□□□-1	(□) 12 सरल हिन्दी वाक्यो मे से किन्ही 6 का सस्कृत मे अनुवाद	6X2=12
	(□) किन्ही दो कण्ठस्थ श्लोको का शुद्ध लेखन	2X2=4
□□□□-2	(□) 3 मे से किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ	2X4=8
	(□) 3 मे से किन्ही 2 गद्यांशो का सरलार्थ	2X4=8
□□□□-3	(□) चार शब्दो मे से किन्ही 2 शब्दो के सम्पूर्ण रूप	2X4=8
	(□) चार धातुओ मे से किन्ही दो धातुओ के पूछे गये दो लकारो मे सम्पूर्ण रूप	2X4=8
□□□□-4	(□) चार मे से किन्ही दो छन्दो के लक्षणऔर उदाहरण	2X4=8
	(□) दो मे से किसी एक श्लोक मे गणप्रदर्शन सहित छन्द की पहचान	1X8=8

तृतीय सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे   □□ □□- 80

□□□□ 1. □□□ □□□□□- प्रथम अध्याय   20

□□□□ 2. श्रीमद्भगवद्गीत - द्वितीय अध्याय   20

□□□□ 3. व्याकरण -

1) तद्धित प्रत्य - □□□, □□□, □□,त्व , □□□   10

2) निम्न धातुओ के णिजन्त व सन्नन्त रूप-

□,पठ , □□,□□, □□□,□श्रु, □,□□, स्था , □□□   10

□□□□ 4. □□□- अव्ययीभाव , तत्पुरुष (द्विगु तथा कर्मधारय सहित)   20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे   8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1   4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्या   8X2=16

□□□□-2   (□) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्या   4X2=8

(□) पाठ्य पुस्तक के आधार पर प्रश्नो के उ , चरि -चित्रण अथवा साराश   1X8=8

□□□□-3   (□) 8 मे से किन्ही 4 के तद्धितान्त रूप   4X2=8

(□) 8 मे से किन्ही 4 धातुओ के सन्नन्त अथवा णिजन्त रू   4X2=8

□□□□-4   8 मे से किन्ही 4 पदो मे समास या विग्रह प्रदर्शन   4X4=16

चतुथ सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे | □□ □□- 80

□□□□ 1. श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीय अध्याय) 20

□□□□ 2. रघुवशमहाकाव्यम् (द्वितीय सग) 20

□□□□ 3. व्याकरण -

(□) कृदन्त प्रत्य -, क्त, क्तव , क्त्व , ण्यत, □□□,□□□,□□□□,□□□,□ तव्यत, □□□□□ 10

(□) □□□□- द्वन्द्व, बहुव्रीहि 10

□□□□ 4. (□) प्रत्याहार सू , लघुसिद्धान्त कौमुदी 10

(□) सस्कृत मे पत्र लेखन 10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1 □) श्रीमद्भगवद्गीता के 4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्य 2X4=8

□) श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर समालोचनात्मक दो वैकल्पिक प्रश्न या साराश मे से एक का उत्त 1X8=8

□□□□-2 (□) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्य 2X4=8

(□) रघुवश के आधार पर दो प्रश्नो मे से एक का उत्त 1X8=8

□□□□-3 (□) 8 शब्दो मे से किन्ही 4 मे प्रकृति प्रत्यय प्रदशन 4X2=8

(□) 8 शब्दो मे से किन्ही 4 के समस्त या विग्रह रू 4X2=8

□□□□-4 (□) 8 मे से किन्ही 4 प्रत्याहारो का विवरण 4X2=8

(□)किन्ही दो विषयो मे से एक विषय पर पत्र-लेख□ 1X8=8

पञ्चम सामिसत्र

□□□- 3 □□□ □□-80

□□□□ 1. संस्कृत वाग्व्यवहा

संस्कृत व्यवहार साहस्री (1-8□□□ □□) 20

□□□□ 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (1-4 अक पर्यन्त) 20

□□□□ 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास

(□) संहिता, से लेकर वेदाङ्ग साहित्य तक 20
संहिता- ऋग्वेद, यजुर्वेद, □□□□□, अथर्ववेद- □□□ □□□वर्ण्यविषय
ब्राह्मण- चारो संहिताओ से सम्बन्धित ब्राह्मण- सामान्य परिचय
आरण्यक एव उपनिषद् - चारो संहिताओ से सम्बद्ध - सामान्य परिचय
वेदाङ्ग साहित्य- शिक्षा, कल्प , व्याकरण , निरुक्त, छन्द, ज्योतिष, सामान्य परिचय

□□□□ 4. लघुसिद्धान्त कौमुदी- स्त्री प्रत्यय प्रकरण 20

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित है-

□□□□-1 12 मे से किन्ही 8 प्रश्नो का संस्कृत मे उत्तर 8X2=16

□□□□-2 (□) 4 मे से 2 श्लोको की सप्रसग व्याख्या 2X5=10

(□) चरित्र-चित्रण अथवा अक का सार, दो मे से एक प्रश्न 1X6=6

□□□□-3 8 मे से 4 पर टिप्पणी 4X4=16

□□□□-4 (□) 4 मे से 2 सूत्रो की सोदाहरण व्याख्या 2X4=8

(□) 8 मे से 4 पदो मे प्रकृति प्रत्यय अथवा निष्पन्न रूप प्रदर्शन 4X2=8

षष्ठ सामेसत्र

□□□- 3 □□□ □□-80

□□□□ 1. सस्कृत वाग्व्यवहार

सस्कृत व्यवहार साहस्री (9-16 □□□ □□) 20

□□□□ 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (5-7 अक पर्यन्त) 20

□□□□ 3. सस्कृत साहित्य का इतिहास 20

□□□□□, □□□□□□, अश्वघो , □□□, □□□□□□, बाणभट्ट , सुबन्धु , दण्डी, □□□□□, भारवि, □□□, श्रीहर्ष, अम्बिकादत्त व्यास।

□□□□ 4. (□) निबन्ध – सरल विषयो पर सस्कृत मे सरल निबन्ध 10

(□) □□□□□- अनुप्रास, श्लेष, □□□, □□□□, उत्प्रेक्षा, रूपक ,

अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति 10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पाच प्रश्न पूछे जायगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

□□□□-1 12 मे से किन्ही 8 प्रश्नो का सस्कृत मे उत्तर 8X2=16

□□□□-2 (□) 4 मे से 2 श्लोको की सप्रसग व्याख्या 2X5=10

(□) चरित्र-चित्रण अथवा अक का सार, दो मे से एक प्रश्न 1X6=6

□□□□-3 8 मे से 4 पर टिप्पणी 4X4=16

□□□□-4 (□) 4 मे से किसी एक विषय पर निबन्ध 1X8=8

4 मे से किन्ही 2 अलकारो के लक्षण एव उदाहरण 2X4=

बी. ए. (तृतीय वर्ष) संस्कृत-(अनिवार्य)

2012-13

समय- 3 घंटे | पञ्चम सामसत्र | अंक-90

यूनिट	1.	ाशवराज ावजय (प्रथम ानश्वास) आरम्भ स लकर ---------	20
		--- इात कथायत्वा तूष्णामवतस्थ तक	
यूनिट	2.	नीतिशतकम् (1-25 पद्य पयन्त)	20
यूनिट	3.	सस्कृत साहित्य का इातहास	
		(क) अश्वघा , कालिदास, भाराव, भतृहार	30
यूनिट	4.	व्याकरण भाग-	
		(क) कारक का सामान्य पारचय	10
		(कत्ता, कम, करण, सम्प्रदा)	
		(ख) अशुाद्ध सशाधनः प्रदत्त कारका तथा उपपद ावभाक्त क आधार प 10	

ादशा ानदश-

यूनिट-1	(क) चार गद्याशा म स ाकन्हा दा का सप्रसग व्याख	26=12
	(ख) दा म स एक आलाचनात्मक प्र	1X8=8
यूनिट-2	चार श्लाका म स ाकन्हा दा का सप्रसग व्याख्य -	2X10=20
यूनिट-3	(क) काव स सम्बान्धत आलाचनात्मक - (दा म स एक)	115=15
	(ख) प्रदत्त कावया का कृातया म स चार म स तान पर ाटप्पणा	3X5=15
यूनिट-4	(क) तान कारका म स दा का पारभाषा एव उदाहरण	25=10
	(ख) प्रदत्त कारका तथा उपपद ावभाक्तया क आधार पर छः वाक्या म	
	चार का अशुाद्ध सशाधन	42½=10

बी.ए. (तृतीय वर्ष) संस्कृत-(अनिवार्य)

2012-13

समय- 3 घंटे | षष्ठ सामसत्र | अंक-90

यूनिट	1.	ाशवराज ावजय (प्रथम ानश्वास) अथ स मुनि- भगवान्! धयण, प्रसादे ,-- स लकर समााप्त पयन्त	20
यूनिट	2.	नीतिशतकम् (26-50 तक)	20
यूनिट	3.	सस्कृत साहित्य का इातहास	
		(क) भवभूति, शूद्रव , बाणभट्ट , जयदेव	30
यूनिट	4.	व्याकरण भाग-	
		(क) कारक का सामान्य पारचय	10
		(अपादान, सम्बन्ध , अधिकरण)	
		(ख) अशुाद्ध सशाधनः प्रदत्त कारका तथा उपपद ावभाक्त क आधार	10

ादशा ानदश-

यूनिट-1	(क) चार गद्याशा म स ाकन्हा दा का सप्रसग व्याख	26=12
	(ख) दा म स एक आलाचनात्मक	1X8=8
यूनिट-2	चार श्लाका म स ाकन्हा दा का सप्रसग व्याख्य -	2X10=20
यूनिट-3	(क) काव स सम्बान्धत आलाचनात्मक प्रश्न - (दा म स एक)	15=15
	(ख) प्रदत्त कावया का कृातया म स चार म स तान पर ाटप्पणा	3X5=15
यूनिट-4	(क) तान कारका म स दा का पारभाषा एव उदाहरण	25=10
	(ख) प्रदत्त कारका तथा उपपद ावभाक्तया क आधार पर छः वाक्या म स	
	(ग) चार का अशुाद्ध सशाधन	42½=10

बी. ए ,संस्कृत-(ऐच्छिक)

2012-13

समय- 3 घंटे   पञ्चम सामसत्र   अंक-90

यूनिट 1.	सस्कृत वाग्व्यवहार	
	सस्कृत व्यवहार साहस्रा (17-21पाठ तक)	20
यूनिट 2.	आभज्ञान शाकुन्तलम् (1-4 अक पयन्त)	30
यूनिट 3.	सस्कृत साहित्य का इातहास	
	(क) साहता, स लकर वदाङ्ग साहित्य तक साहता- ऋग्वद, यजुवद, सामवेद, अथववद- काल एव वण्यावषय ब्राह्मण- चारा साहताआ स सम्बान्धत ब्राह्म - सामान्य पारचय आरण्यक एव उपानषद- चारा साहताआ स सम्ब - सामान्य पारचय वदाङ्ग साहित्य - शिक्षा, कल्प , व्याकरण , निरुत्त , छन्द , ज्यातिष, सामान्य पारचय	20
यूनिट 4.	लघुासद्धान्त कामुदा- स्त्रा प्रत्यय प्रक	20

ादशा ानदश-

यूनिट-1	15 म स किन्हा 10 प्रश्ना का सस्कृत म उत्तर	102=20
यूनिट-2	(क) 4 म स 2 श्लाका का सप्रसग व्याख्या	2X8=16
	(ख) 2 म से 1 सूक्त का व्याख्या	1X6=6
	(ग) चारत्र-ाचत्रण अथवा अक का सार, दा म स एक प्रश्न	1X8=8
यूनिट-3	8 म स 4 पर टिप्पणा	4X5=20
यूनिट-4	(क) 4 म स 2 सूत्रा का सादाहरण व्याख्या	2X5=10
	(ख) 10 म स 5 पदा म प्रकात प्रत्यय अथवा ानष्पन्न रूप प्रदशन	5X2=10

बी. ए ,संस्कृत-(ऐच्छिक)

2012-13

समय- 3 घंटे	षष्ठ सामसत्र	अंक-90

यूनिट	1.	सस्कृत वाग्व्यवहार	
		सस्कृत व्यवहार साहस्री (22-26पाठ तक)	20
यूनिट	2.	आभज्ञान शाकुन्तलम् (5-7 अक पयन्त)	30
यूनिट	3.	सस्कृत साहित्य का इतिहास	20
		रामायण, महाभारत, अश्वघा , भास, कालिदास, बाणभट्ट, सुबन्धु, दण्ड, भवभूति, भारवि, माघ, श्रीहष, आम्बिकादत्त व्यास।	
यूनिट	4.	(क) निबन्ध – सरल विषयो पर सस्कृत मे सरल निबन्ध	10
		(ख) अलंकार- अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अथान्तरन्यास, आतशयाक्ति, विभावना, विशषाक्ति	10

दिशा निदश-

यूनिट-1	15 म स किन्हा 10 प्रश्ना का सस्कृत म उत्त	102=20
यूनिट-2	(क) 4 म स 2 श्लोका का सप्रसग व्याख्या	2X8=16
	(ख) 2 म से 1 सूक्त का व्याख्य	1X6=6
	(ग) चारत्र-चित्रण अथवा अक का सार, दा म स एक प्रश्न	1X8=8
यूनिट-3	8 म स 4 पर टिप्पणी	4X5=20
यूनिट-4	(क) 4 म स किसा एक विषय पर निबन्ध	1X10=10
	(ख) 4 म स किन्हा 2अलकारा क लक्षण एव उदाहरण	2X5=10

बी.ए. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

पञ्चम सामिसत्र

एकादश पत्र (काव्यशा)

समयः 3 घण्ट कुल अंक-90

पाठ्य पुस्तव काव्यदीपिका

यूनिट	1.	काव्य प्रयोजन, लक्षण, भेद, एव शब्दश	20
यूनिट	2.	रस, रूपव -भेद, लक्षण, नाट्य तत्त्व	20
यूनिट	3.	गुण, दोष, रीति	20
यूनिट	4.	अलंकार-	30

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, दृष्टान्त, दीपक, स्वभावोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विशेषोक्ति, समासोक्ति, विभावना, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, तुल्ययोगिता, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक

दिशा निर्देश-

यूनिट-1	(1) चार श्लोको में से दो की सप्रसंग व्याख्या	25=10
	(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1 10=10
यूनिट-2	(1) चार श्लोको में से दो की सप्रसंग व्याख्या	25=10
	(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1 10=10
यूनिट-3	(1) चार श्लोको में से दो की सप्रसंग व्याख्या	25=10
	(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1 10=10
यूनिट-4	छः अलंकारों में से चार के लक्षण एवं उदाहरण	4 7½=30

□□.□. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

द्वादश पत्र (काव्यशास्त्र एव काव्य शास्त्र का इातहा)

□□□□ 3 घण्ट □□□ □□- 90

□□□□	1.	काव्यादश, प्रथम पारच्छेद (कारका 1-40)	25
□□□□	2.	काव्यादश, प्रथम पारच्छेद (कारका 41-105)	25
□□□□	3.	□□□, □□□□, दण्ड, आनन्दवधन	20
□□□□	4.	आभनवगुप्त, मम्मट, विश्वना , जगन्न □	20

ादशा ानदश-

□□□□-1	(1) □□□ म स दा कारकाआ का व्याख्य	27½=15
	(2) दा म स एक आलाचनात्मक प्र	110=10
□□□□-2	(1) चार म स दा कारकाआ का व्याख्य	27½=15
	(2) दा म स एक आलाचनात्मक	110=10
□□□□-3	दा म स एक आचाय अथवा कृात सम्बान्धत सामान्य प्रश्न	1X20=20
□□□□-4	दा म स एक आचाय अथवा कृात सम्बान्धत सामान्य प्रश्न	1X20=20

□□.□. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

त्रयादश पत्र (दशन)

□□□□ 3 घण्ट   □□□ □□- 90

□□□□ 1.	तक सग्रह- [आरम्भ स प्रत्यक्ष प्रमाण पय] (तत्त्वदापिका राहत)	25
□□□□ 2.	तक सग्रह-[अनुमान प्रमाण स लकर अन्त त] (तत्त्वदापिका राहत)	25
□□□□ 3.	श्रामद्भगवद्गाता- (द्वताय अध्या)	20
□□□□ 4.	श्रामद्भगवद्गात - (□ताय अध्यार)	20

ादशा ानदश-

□□□□-1	(1) चार म स दा सदभा का सप्रसग व्याख्य	27½=15
	(2) दा म स एक सद्धान्तक प्रश्न	1_{10}=10
□□□□-2	(1) चार म स दा सदभा का सप्रसग व्याख	27½=15
	(2) दा म स एक सद्धान्तक प्र	1_{10}=10
□□□□-3	4 म स 2 श्लाका का व्याख्य	2X10=20
□□□□-4	4 म स 2 श्लाका का व्याख्य	2X10=20

□□.□. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

षष्ठ सामिसत्र,

चतुदश पत्र (धमे शास्र)

□□□□ 3 घण्टे			□□□ □□- 90
□□□□	1.	मनुस्मृात (प्रथम अध्याः)	25
□□□□	2.	मनुस्मृात (द्वितीय अध्याः)	25
□□□□	3.	ाविदुरनााित (प्रथम अध्याः)	20
□□□□	4.	ाविदुरनाीित (द्वितीय अध्याः)	20

ादशा ानदश-

□□□□-1,2	(□) चार मे से दो की सप्रसग व्याख्य	27½=15
	(□) □□ मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1$_{10}$=10
□□□□-2	(□) चार मे से दो की सप्रसग व्याख्या	27½=15
	(□) दा म स एक आलाचनात्मक प्र·	1$_{10}$=10
□□□□-3	(□) चार म स दा का सप्रसग व्याख्या	25=10
	(□) दा म स एक आलाचनात्मक प्र·	1$_{10}$=10
□□□□-4	(□) चार म स दा का सप्रसग व्याख्या	25=10
	(□) दा म स एक आलाचनात्मक प्रश्	1$_{10}$=10

□□.□. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

पञ्चदश पत्र (व्याकरण तथा अनुवाद)

□□□□ 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　□□□ □□- 90

□□□□	1.	शब्द रूप (हलन्त)	30
		□□□ □(ताना लिगा म), तद् (ताना लिगा म), □□□□(ताना लिगा म), अनडुह,	
		विद्वस, चन्द्रम , □□□,□□□□,□अस्म , युष्मद , □□□□,□□□□,□□□□,□□□□,□	
		दाण्डन, वृ□ □□ □	
□□□□	2.	लिट्, लुट, लृट, आशालिङ्, लुङ, लकारा म निम्न धातुआ क रूप	20
		पठ ,□,□□□,□□□,□□□,□□□, □□, □□,□वद , □□ □, □□, खाद , श्रु, □□,□□□,□	
		स्था , □□,□स्वप , □□□,□क्रुध्,	
□□□□	3.	प्रक्रिया - □□□□-2 म प्रदत्त धातुआ क णिजन्त, सन्नन्त रूप तथा नाम धातु	
		(कवल लट् लकार)	20
□□□□	4.	□□□□ □□□	20

दिशा निदश-

□□□□-1	8 म स 5 क सभा विभक्तिया व वचना म रूप	56=30
□□□□-2	6 म स 4 धातुआ क सभा पुरुष व वचना म रूप	45=20
□□□□-3	(□) 5 म स 3 धातुआ क लट् लकार क सभा वचना व पुरुष म रूप	3X5=15
	(□) प्रकृति प्रत्यय एव रूप सबन्धा 4 म स 2 प्रश्न	2X2½=5
□□□□-4	(□) 4 म स 2 कारका का सादाहरण पारभाषा	2X5=10
	(□) 8 म स 4 सस्कृत वाक्या म कारक का दृष्टि □□□□□□□	4X2½=10

□.□. (आनर्स) संस्कृत 2012-13

□□□□ पत्र (व्याकरण तथा ानबन्ध)

□□□□ 3 घण्टे — □□ □□- 90

□□□	1.	□□□- अव्ययाभा□, तत्पुरुष (भद साहत), बहुव्राह, द्वन्द्व	25
□□□	2.	ताद्धत -	20
		अपत्याथक- □□,□□,□□,□□,□□	
		रक्ताथक- □□,□□ □	
		शाष□- □,□□, □□,त्यक, □, □□,□□,□□,□□ □	
		□□□□□□- □□□	
		भावकमाथक- त्व, □□,□□□□□ □	
□□□	3.	(□) स्त्रा प्रत्यय (□□,डाप्, डाष्, डान्, ऊङ्, □□)	15
		(□) वाच्य पारवतन	10
□□□	4.	ानबन्ध	20

ादशा ानदश-

□□□-1	(□) समास क लक्षण एव उदाहरण	=10
	(□) समस्त पद एव ावग्रह स सम्बान्धत	=15
□□□-2	प्रकृात एव प्रत्यय सबन्धा प्र 10 म स 5 रूप	54=20
□□□-3	(1) 10म स 5 रूपा म प्रत्यय सम्बन्धा	5X3=15
	(2) 10म स 5 वाक्या का वाच्य पारवतन	5X2=10
□□□-4	चार म स एक ावषय पर 200-250 शब्दा का ानबन्ध	=20

Scheme of Examination of BA Sanskrit (Compulsory)

w.e.f. 2012-13

Course	Nomenclature	Total marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem-1	Sanskrit (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs
Sem-II	Sanskrit (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs
Sem-III	Sanskrit (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs
Sem-IV	Sanskrit (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs

Scheme of Examination of BA Sanskrit (Elective)

w.e.f.2012-13

Course	Nomenclature	Total marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem-1	Sanskrit (Elective)	100	80	20	3 Hrs
Sem-II	Sanskrit (Elective)	100	80	20	3 Hrs
Sem-III	Sanskrit (Elective)	100	80	20	3 Hrs
Sem-IV	Sanskrit (Elective)	100	80	20	3 Hrs

Scheme of Examination of BA (Hons.) Sanskrit

w.e.f. 2012-13

Course	Nomenclature	Total marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem-1	Paper-I	100	80	20	3 Hrs
	Paper-II	100	80	20	3 Hrs
Sem-II	Paper-III	100	80	20	3 Hrs
	Paper-IV	100	80	20	3 Hrs
Sem-III	Paper-V	100	80	20	3 Hrs
	Paper-VI	100	80	20	3 Hrs
	Paper-VII	100	80	20	3 Hrs
Sem-IV	Paper-VIII	100	80	20	3 Hrs
	Paper-IX	100	80	20	3 Hrs
	Paper-X	100	80	20	3 Hrs

बी.ए. (प्रथम सामिसत्र)

संस्कृत अनिवार्य

समयः 3 घण्टे कुल अंक-80

यूनिट 1. (क) सस्कृत चयानेक , कुरुक्षेत्र विश्वाविद्यालय प्रकाशन 10

पद्य भाग - 1-6 पाठ

(ख) सस्कृत चयानेक , कुरुक्षेत्र विश्वाविद्यालय प्रकाश 10

गद्य भाग - 1-10 पाठ

यूनिट 2. शब्दरू - बालक, कवि, साधु, जल, मातृ, पितृ, सर्व तीनो लिगो मे 20

यूनिट 3. धातुरू - भू, अस्, वद , गम्, पठ , स्था ,

(लट , लृट , लोट , लङ , विधिलिङ , लकारो मे) 20

यूनिट 4. (क) सन्धि - स्वर सन्धि 10

(ख) अनुवादः- सरल हिन्दी वाक्यो का सस्कृत मे अनुवाद 10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ

प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित हैं-

यूनिट-1 (क) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ 24=8

(ख) 4 मे से किन्ही 2 गद्याशो का सरलार्थ 24=8

यूनिट-2 4 शब्दा म स किन्हा 2 शब्दा क सम्पूण रूप
2X8=16

यूनिट-3 4 धातुआ म स किन्हा 2 धातुओं के पूछे गये 2 लकारा म सम्पूण रूप 2X8=16

यूनिट-4 [क] (क)दा म स किसा एक सान्ध का सादाहरण पारभाषा 1X4=4

(ख) आठ मे से किन्हो 4 प्रयोगो मे सान्धि अथवा विग्रह प्रदशन
4X1=4

[ख] आठ सरल हिन्दो वाक्यो मे से चार का सस्कृत मे अनुवाद
4X2=8

बी.ए. (द्वितीय सामिसत्र)

संस्कृत अनिवार्य

समयः 3 घण्टे कुल अंक- 80

यूनिट	1.	(क) सस्कृत चयानेक , कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन पद्य भाग - 7-12 पाठ	10
		(ख) सस्कृत चयानेक , कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन गद्य भाग - 11-18 पाठ	10
यूनिट	2.	शब्दरूप - राजन्, विद्वस् , अस्मद् , युष्मद् , तद् और इदम् तीनो लिगो मे	20
यूनिट	3.	धातुरूप - लभ्, दा (यच्छ), कृ, भू, चर्, (लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग , लकारो मे)	20
यूनिट	4.	(क) सन्धि - व्यञ्जन सन्धि , परिभाषा सहित, प्रयोगमात्र	10
		(ख) अनुवादः- सरल हिन्दी वाक्यो का सस्कृत मे अनुवाद	10

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेगे जिनमे से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमे आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट मे से दो) पूछे जायेगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नो के यूनिट अनुसार निदेश अधोलिखित है-

यूनिट-1	(क) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ	24=8
	(ख) 4 मे से किन्ही 2 गद्यांशो का सरलार्थ	24=8
यूनिट-2	4 शब्दो मे से किन्ही 2 शब्दो के सम्पूर्ण रूप	2X8=16
यूनिट-3	4 धातुओ मे से किन्ही 2 धातुओं के पूछे गये 2 लकारो मे सम्पूर्ण रूप	2X8=16
यूनिट-4	[क] (क)दो मे से किसी एक सन्धि की सोदाहरण परिभाषा	1X4=4
	(ख) आठ मे से किन्ही 4 प्रयोगो मे सन्धि अथवा विग्रह प्रदर्शन	4X1=4
	[ख] आठ सरल हिन्दी वाक्यो मे से किन्ही चार का सस्कृत मे अनुवाद	4X2=8

बी. ए (प्रथम सामिसत्र) संस्कृत-(ऐच्छिक)

2012-13

समय- 3 घंटे अंक-80

यूनिट 1. सस्कृत व्यवहारसाहः (1 से 8 पाठ तक)

यूनिट 2. ाहतापदशः (ामत्र लाभः- कथामुख, काक-मृग-कूम-मूाषका-कथा, गृ -ाबडाल-कथा) 20

यूनिट 3. (क) शब्दरू - राम, काव, भानु, ापतृ, लता, मति, नदा, धेनु, वधू, मातृ, फल, वाार, मधु 10

(ख) धातुरू - भू, प , हस् , नम्, गम्, अस्, हन्, क्रुध, नश्, नृत्, अ , इष्, 10

प्रच , ाचन्त्

यूनिट 4. सान्ध - अच् सान्ध , हल् सान्ध , ाबसग सान्धः
20

ादशा ानदश-

नोट- 16-16 अक क कुल पाच प्रश्न पूछ जायग ाजनम स प्रथम प्रश्न वस्तुानष्ठ हागा ाजसम आठ वस्तुानष्ठ

प्रश्न (प्रत्यक यूानट म स दा) पूछ जायग 8X2=16

शष चार प्रश्ना क ⎕⎕⎕ ⎕⎕⎕ ानदश अधाालाखत ह-

⎕⎕⎕-1 सस्कृत म ⎕⎕⎕⎕⎕ 12 प्रश्ना म स ाकन्ह 8 प्रश्ना का सस्कृत म उ
82=16

⎕⎕⎕-2 (⎕) ाकन्हा 6 गद्याशा या पद्याशा म स ाकन्हा 3 का सरलाथ 3X4=12

(⎕) ाकन्हा 2 ⎕⎕⎕ म स 1 ⎕ ⎕⎕⎕ 1X4=4

⎕⎕⎕-3 (⎕) चार शब्दा म स ाकन्हा 2 शब्दा क सम्पूण रू 2X4=8

(⎕) चार धातुआ म स ाकन्हा दा धातुआ क पूछ गय दा लकारा म सम्पूण रूप
2X4=8

⎕⎕⎕-4 (⎕) 2 म स ाकसा एक सान्ध का सादाहरण पारभाषा 1X6=6

(⎕) 8 म स ाकन्ह 5 प्रयागा म सान्ध अथवा ाबग्र प्रदशन
5X2=10

□□.□. (द्वितीय सामेसत्र)

सस्कृत ऐच्छिक

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□	1.	(□) सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	16
		(□) कण्ठस्थ श्लोक	4
□□□□	2.	(□) दूतवाक्यम् (भासविरचितम्)	10
		(□) □□□□□□□□□ (कादम्बरीत)	10
□□□□	3.	(□) शब्दरूप - आत्मन्, दण्डिन्, □□□,सरित्, सव, तद, एतद, यद, किम्, □□□ □(तीनो लिगो म) अस्मद, युष्मद, □□, द्वि, त्रि, □□□,□□□□,□	10
		(□) □□□रूप -□□,□□□,रुच, मुद, □□□,□(आत्मनेपद) □,□□, हृ, □□,□□□,□(□□□□□□)	10
□□□□	4.	छन्द - स्रग्धरा , वशस्थ , शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलक , शार्दूलविक्रीडितम्, अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा , उपेन्द्रवज्रा , □□□□□□, □□□□□	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक क कुल पाच प्रश्न पूछ जायग जिनम स प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसम आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूनिट म स दो) □□□जायग 8X2=16

शष चार प्रश्नो क □□□□ □□□□□ निदश अधोलिखित ह-

□□□□-1	(□) 12 सरल हिन्दी वाक्यो म स किन्ही 6 का सस्कृत म □□□□□	62=12
	(□) किन्ही दो कण्ठस्थ श्लोको का शुद्ध लेखन	22=4
□□□□-2	(□) 3 म स किन्ही 2 पद्यो का सरलार्थ	2X4=8
	(□) 3 म स किन्ही 2 गद्याशो का सरलार्थ 2X4=8	
□□□□-3	(□) □□□ □ब्दो म स किन्ही 2 शब्दो क सम्पूर्ण रूप	2X4=8
	(□) चार धातुओ म स किन्ही दो धातुओ क पूछ गय दो लकारो म सम्पूर्ण रूप 2X4=8	
□□□□-4	(□) चार म स किन्ही दो छन्दो □□लक्षणऔर : □□□□□	2X4=8
	(□) दो म स किसी एक श्लोक म गणप्रदर्शन सहित छन्द की पहचान 1X8=8	

□□.□. (आनर्स) संस्कृत

प्रथम पत्र (गद्द-1) प्रथम सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□	1.	(□) आम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजाविजय (प्रथम-निःश्वास – आरम्भ से ----कथ्यता का दशा भारतवर्षस्य तक)	20
□□□□	2.	आम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजाविजय (प्रथम-निःश्वास – □□ □□□)	20
□□□□	3.	बाणभट्ट कृत कादम्बरी (□□□□□□□□- एव समातेक्रामत्सु दिवसेसु राजाचन्द्रापीडस्य ---- --श्रुताप्याभिसधत्ते चोन्तितापि वञ्चयाति तक)	20
□□□□	4.	बाणभट्ट कृत कादम्बरी (□□□□□□□□- □□ □□□)	20

दिशा निदेश-

नोट- 16-16 अक क कुल पाच प्रश्न पूछ जायग जिनम स प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसम आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूनिट म स दो) पूछ जायग 8X2=16

शेष चार प्रश्नो क □□□□ □□□□□ निदश अधोलिखत ह-

□□□□-1	(□) चार गद्याशो म स दो को व्याख्या	25=10
	(□) दो म से एक आलोचनात्मक	16=6
□□□□-2	(□) चार गद्याशो म स दो को व्याख्या	25=10
	(□) दो म से एक आलोचनात्मक	16=6
□□□□-3	(□) चार गद्याशो म स दो को व्याख्या	25=10
	(□) दो म से एक आलोचनात्मक प्र	16=6
□□□□-4	(□) चार गद्याशो म स दो को व्याख्या	25=10
	(□) दो म से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6

द्वितीय पत्र (पद्य-1)

□□□□ 3 घण्टे			□□ □□- 80
□□□□	1.	□□□□□□ □□ □□□□□(प्रथम -सर्ग) (1-48)	20
□□□□	2.	□□□□□□ □□ □□□□□(प्रथम -सर्ग) (49-95)	20
□□□□	3.	अश्वघोष कृत बुद्धचरितम (प्रथम -सर्ग) (1-45)	20
□□□□	4.	अश्वघोष कृत बुद्धचरित (प्रथम -सर्ग) (46-89)	20

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनि

प्रश्न (प्रत्येक यूनिट में से दो) पूछे जायेंगे 8X2=16

शेष चार प्रश्नों के □□□□ □□□□□ निर्देश अधोलिखित है-

□□□□-1	(□) चार श्लोको में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1$_{6}$=6
□□□□-2	(□) चार श्लोको में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1$_{6}$=6
□□□□-3	(□) चार श्लोको में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	1$_{6}$=6
□□□□-4	(□) चार श्लोको में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक	1$_{6}$=6

□□.□. (आनर्स) संस्कृत

तृतीय पत्र (गद्य-II)   द्वितीय सामिसत्र

□□□□ 3 घण्टे   □□ □□- 80

□□□ 1. आम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (द्वितीय-निःश्वास – विचित्रगायकमम् □□□□□□ □□) 20

□□□ 2. आम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (द्वितीय--निःश्वास – □□ □□) 20

□□□ 3. दण्डी कृत दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम् – आरम्भ से ---प्रक्षिपेत प्रवीरमनन्तवर्मकटक जर्जरमकुर्वन् तक) 20

□□□ 4. दण्डी कृत दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम् –अथ वसन्तभानुभी□वमोण नाम वानवास -- □□अन्त तक) 20

दिशा निर्देश-

नोट- 16-16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक यूनिट में से दो) पूछे जायेंगे   8X2=16

शेष चार प्रश्नों □ □□□ □□□□ निर्देश अधोलिखित हैं-

□□□-1	(□) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
□□□-2	(□) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
□□□-3	1) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
□□□-4	1) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	25=10
	(□) दो में से एक आलोचनात्मक	16=6

चतुर्थ-पत्र (पद्द -II)

समय 3 घण्टे कुल अंक - 80

य न 1. क ल स कृ त घ शम (द्वितीर -सगे श्लोक 1-38) 20

य न 2. क ल स कृ त घ शम (द्वितीर -सगे श्लोक 39-75) 20

य न 3. भारावे कृत किराताजुनीयम् (प्रथम -सगे श्लोक 1-23) 20

य न 4. भारावे कृत किराताजुनीयम् (प्रथम -सगे श्लोक 24-46) 20

दिशा निर्देश-

- 16-16 अक क कुल पाच प्रश्न पूछ जायग जिनम स प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ हागा जिसम आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्यक यूनिट म स दा) पूछ जायग 8X2=16

शष चार प्रश्ना क य न अनुस निदश अधालिखित ह-

य न -1	(क) श्लोको मे से दो की व्याख्य	25=10
	() दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
य न -2	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	() दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
य न -3	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	() दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6
य न -4	(क) चार श्लोको मे से दो की व्याख्या	25=10
	() दो मे से एक आलोचनात्मक प्रश्न	16=6

बी.ए. (तृतीय सामेसत्र)

सस्कृत आनेवाये

समयः 3 घण्ट | कुल अंक- 80

यूनिट 1. चारुदत्तम् – प्रथम व द्वितीय अ 40

यूनिट 2. कृदन्त- शतृ, शानच्, क्त, क्तव , □□□□ 10

□□□ 3. निम्नालाखत धातुआ णिजन्त रूप- लट् लका , प्रथम -पुरु , □□□□□-

□,पर , □□,□□, □□□,श्रु, □,□□, स्थ , □□ □
10

□□□ 4. (□) □□□- अव्ययाभाव, द्वन्द्व 10

(□)□□□□- हिन्दा स सस्कृत म अनुवाद 10

दिशा निदश-

□□□-1 (□) 4 म स किन्हा 2 पद्या का सप्रसग व्याख्य
210=20

(□) चारुदत्तम् क प्रथम दा अका का कथाव , पात्र तथा भाषा-शला स सम्बान्ध

दा प्रश्ना म स एक का उत्त
110=10

(3) नाटक सम्बान्धत 3 पारिभाषक शब्दा म स किन्हा 2 का पारचय

(सूत्रधा , नान्दा, स्थापना , आत्मगत , जनान्तिकम, आकाशभाषतम) 25=10

□□□-2 10 मे से किन्हो 5 के निधारित प्रत्ययो के आधार पर निष्पन्न रूप 5X2=10

□□□-3 किन्हो 5 धातुओ के लट् लकार, प्रथम पुरु , एक वचन के णिच् प्रत्ययान्त रू 5X2=10

□□□-4 (□) 10 समस्त पदो मे से 5 पदो का विग्रह ए□□□□ □□ □□ 5X2=10

(□) 10 सरल हिन्दी वाक्यो मे से किन्हो5 का सस्कृत मे अनुवाद 5X2=10

□ा.□. (चतुथ सामेसत्र)

सस्कृत आनवाय

□□□□ 3 घण्ट — □□ □□- 80

□□□ 1. चारूदत्तम – तृताय व चतुथ अक 40

□□□ 2. कृदन्त- तव्यत्, □□□□□, □□,क्त्व , ल्यप , ण्वुल 10

□□□ 3. निम्नालाखत धातुआ सन् प्रत्यय क रूप- लट् लकार, प्रथम -पुरुष , □□□□□-
□,पठ , □□,□□, □□□,श्रु, □,□□, स्था , □□□
10

□□□ 4. (□) □□□□- बहुव्राहि, तत्पुरुष (द्विगु तथा कमधारय साहत) 10

(□) □□□□□- हिन्दा स सस्कृत म अनुवाद 10

दिशा निदश-

□□□□-1 (□) 4 म स किन्हा 2 पद्या का सप्रसग व्याख्या
210=20

(□) तृताय एव चतुथ अक क आधार पर किन्हा दा पात्रा म स एक का
चारत्र-चित्रण 25=10

(3) नाटक सम्बान्धत 3 पारिभाषिक शब्दा म स किन्हा 2 का पारचय

(□□□□, विदूषक, प्रस्तावना, विष्कम्भक , अपवारितम्, भरतवाक्यम) 2_5=10

□□□□-2 10 मे से किन्हो 5 के निर्धारित प्रत्ययो के आधार पर निष्पन्न रूप 5X2=10

□□□□-3 किन्हो 5 धातुओ के लट् □□□□, प्रथम पुरु , एक वचन के सन् प्रत्ययान्त रूप 5X2=10

□□□□-4 (□)10 समस्त पदो मे से 5 पदो का विग्रह एव समास का नाम 2X5=10

(□)10 सरल हिन्दी वाक्यो मे से किन्हो5 का संस्कृत मे अनुवाद 5X2=10

□□.□. (तृतीय सामिसत्र)

सस्कृत ऐच्छिक

□□□□ 3 घण्ट — □□□ □□- 80

□□□□	1.	सस्कृतव्यवहारसाह , 9-16 □□□	20
□□□□	2.	□□□ □□□□□□- प्रथम अध्या	20
□□□□	3.	व्याकरण-	
		1) ताद्धत प्र - □□□, □□□, □□, त्व , □□ □	10
		2) निम्न धातुओ क णिजन्त व सन्नन्त रूप- □पट , □□, □□, □□ □, श्रु, □, □□, स्था , □□ □	10
		3) □□□□- अव्ययाभाव, तत्पुरुष (द्विगु तथा कर्मधारय सहित)	10
□□□□	4.	□□□□□- हिन्दी स सस्कृत म अनुवाद	10

निर्देश निर्देश-

□□□□-1 15 म स किन्हा 10 प्रश्ना क सस्कृत म उत्त
102=20

□□□□-2 (□) 4 म स किन्हा 2 पद्या का सप्रसग व्याख्
25=10

(□) पाठ्य पुस्तक क आधार पर प्रश्ना क उत्त , चारत्र-चित्रण अथवा साराश
110=10

□□□□-3	(□) 10 म स किन्हा5 क ताद्धतान्त रूप	25=10
	(□) 10 मे से किन्ही5 धातुओ के सन्नन्त अथवा णिजन्त रूप	25=10
	(3) 10 मे से किन्ही5 समस्त पदो का समस्त रूप या विग्रह	25=10
□□□□-4	10 मे से किन्ही5 वाक्यो का अनुवा	5X2=10

□□.□. (चतुथ सामेसत्र)

सस्कृत ऐच्छिक

□□□□ 3 घण्ट □□□ □□- 80

□□□□	1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	20
□□□□	2.	रघुवशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)	20
□□□□	3.	व्याकरण -	
		(□) कृदन्त प्रत्य -, क्त, क्तवत , क्त्व , ण्यत , □□□,□□□,□□□□,□□□,□तव्यत, □□□□□□	10
		(□) □□□□- द्वन्द्व, बहुव्रीहि	10
□□□□	4.	(□) प्रत्याहार , लघुसिद्धान्त कौमुदी	10
		(□) सस्कृत मे पत्र लेखन	10

दिशा निदेश-

□□□□-1	□) श्रीमद्भगवद्गीता के 4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्य	5₂=10
	□) श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर समालोचनात्मक दो वैकल्पिक प्र या साराश मे से एक का उत्तर 1X10=10	
□□□□-2	(□) 4 मे से किन्ही 2 पद्यो की सप्रसग व्याख्य	52=10
	(□) रघुवंश के आधार पर दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	1X10=10
□□□□-3	(□) 10 शब्दों में से किन्हीं5 में प्रकृति प्रत्यय प्रदर्शन	52=10
	(□) 10 शब्दों में से किन्हीं5 के समस्त या विग्रह रूप	52=10
□□□□-4	(□)10 में से किन्हीं5 प्रत्याहारों का विवरण	5X2=10
	(□)किन्हीं दो विषयों में से एक विषय पर पत्र-ले□□	1X10=10

□ा.□. संस्कृत ऑनर्स

तृतीय सांमेसत्र

पचम प -5 (सांहेता सांहेत्य)

□□□□ 3 घण्टे | □□ □□- 80

□□□□ 1. ऋग्वेद - 60

आग्ने (1.□), इन्द्र (1.8□), आश्वनौ (8.86), विष्णु सूक्त (7.100), □□□□ (9.83)

अक्षसूत (10.34), हिरण्यगभ (10.12□), सगठनसूक्त (10.19□)

□□□□ 2. अथववेद- 20

ब्रह्मचये सूत (11.5)

दिशा निदेश-

□□□□-1 ऋग्वेद -

(□) 6 मे से 3 मन्त्रो की व्याख्य 310=30

(□) दो मे से एक सूक्त का सार 110=10

(□) दो मे से एक देवता का स्वरूप 110=10

(□) सूक्तगत मन्त्रो के 8 क्रियापदो मे से 5 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन 5X2=10

□□□□-2 अथववेद-

(□) दो मे से एक मन्त्र की व्याख्या 110=10

(□) सूक्तगत मन्त्रो के 8 क्रियापदो मे से 5 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन 5X2=10

□□.□. संस्कृत ऑनर्स

तृतीय सामिसत्र

षष्ठ -पत्र (□□□□-1)

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□ 1. स्वप्नवासवदत्तम् 65

□□□□ 2. नाटक से सबन्धित पारिभाषिक शब्दो का परिचय 15

(□□□□, सूत्रधार , विदूषक, नान्दी , प्रस्तावन , विष्कम्भक , अपवारितम्, जनान्तिकम्

स्वगतम् , आकाशभाषितम्, भरतवाक्यम्)

दिशा निदेश-

□□□□-1 स्वप्नवासवदत्तम्

(□) 4 मे से 2 श्लोको की व्याख्या 210=20

(□) तीन मे से दो सूक्तियो की व्याख्या 27½=15

(3) दो मे से एक चरित्र-चित्रण 1₁₅=15

4) नाटक या नाटककार से सम्बद्ध एक आलोचनात्मक (1X15=15

□□□□-2 (□)पाँच मे से तीन पारिभाषिक शब्दो के लक्षण व उदाहरण सहित टिप्पणी 35=15

□□.□. संस्कृत ऑनर्स

तृताय साामसत्र

सप्तम पत्र (व्याकरण)

□□□□ 3 घण्टे □□□ □□- 80

□□□□ 1. सान्धि प्रकर 25

1) अच् सान्धि
2) हल् सान्धि
3) विसर्ग सान्धि

□□□□ 2. शब्द रूप - 20

अजन्त तीनो लिगो मे (राम, सर्व, □□, पूर्व, प्रथम, द्वितीय, निर्जर, विश्वप, हरि, □□□,साखि, □□□, □□□□, त्रि, प्राधि, ग्रामणी, □□□, क्रोष्टु, स्वभू, □□□,पितृ, भ्रातृ, □□□□, □□□, सर्वा, द्वितीय, □□□, त्रि, गौरी, स्त्री, श्री, □□□,भ्रू, □□□,स्वसृ, ज्ञान, □□□, वारि, □□□, □□□)

□□□□ 3. धातुरूप - पांचो लकारो (लट्, लृट्, लोट, लङ्, विधिलिङ्) मे निम्नलिखित धातुओ के रूप- 25

भ्वादिगण -□,क्रीड्, □□,जि, त्यज, दृश, □□,□□□, पठ, □□□,□□□,वद, □□,श्रु, सह, □□,□□□□

अदादिगण- अद, दुह, □□, ब्रू, शीङ्, स्ना, स्वप, □□□

जुहोत्यादिगण - □,□□□, □□, □□

दिवादिगण- दिव्, क्रुध्, □□,□□□,□□□□

स्वादिगण - □□□,□□□

तुदादिगण- □□,□□□,क्षिप, □,पृच्छ, विश्

रुधादिगण - रुध, □□,भिद्

क्र्यादिगण - क्री

चुरादिगण- □□,□□□,□□□,□□□,भक्ष

□□□□ 4. कृदन्त प्रकरण - 10

क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप, □□□,□□□,□□□□,□□□,तव्यत, □□□□, □□,ल्युट्, क्तिन, णिनि, ण्वुल

दिशा निर्देश-

□□□□-1

(1) अच् सन्धि

(2) मे 8 मे से 5 पदो मे सन्धि अथवा विच्छेद प्रदर्शन 52=10

(□) हल् सन्धि मे 8 मे से 5 पदो मे सन्धि अथवा विच्छेद प्रदर्शन 52=10

(3) विसर्ग सन्धि मे 5 मे से 2 पदो मे सन्धि अथवा विच्छेद प्रदर्शन 2½2=5

□□□□-2 8 मे से किन्हो 4 शब्दो के सम्पूर्ण शब्द रूप 45=20

□□□□-3 □) भ्वादिगण

चार मे से किन्हो दो धातुओ के निर्दिष्ट लकार मे सम्पूर्ण रूप 25=10

□) अदादिगण, जुहोत्यादिगण, दिवादिगण, स्वादिगण

चार मे से किन्हो दो धातुओ के निर्दिष्ट लकार मे सम्पूर्ण रू 25=10

3) तुदादिगण, रुधादिगण, क्र्यादिगण, चुरादिगण,

तीन मे से किसी एक धातु के निर्दिष्ट लकार मे सम्पूर्ण रूप 15=5

□□□□-4 8 शब्दो मे से किन्हो 5 मे प्रकृति-प्रत्यय प्रदर्शन 5X2=10

□□.□. संस्कृत ऑनर्स

चतुथ सामेसत्र

अष्टम प -8 (उपानेषद् साहित्र)

□□□□ 3 घण्टे □□ □□- 80

□□□□	1.	इशोपानेषद	30
□□□□	2.	कठोपानेषद	50

दिशा निदेश-

□□□□-1 इशोपानेषद

(□) 4 मे से 2 मन्त्रो की व्याख्या	210=20
(□) एक आलोचनात्मक प्रश्न	110=10

□□□□-2 कठोपानेषद

(□) 5 मे से 3 मन्त्रो की व्याख्य	310=30
(□) एक आलोचनात्मक प्र	110=10
(□) मन्त्रगत 8 क्रियापदो मे से 5 मे प्रकृति-प्रत्यय तथा अथप्रदशन	5X2=10

□□.□. संस्कृत ऑनर्स

नवम पत्र (□□□□-II)

□□□□ 3 घण्टे			□□ □□- 80
□□□	1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	80

दिशा निदेश-

(□) 5 मे से 3 श्लोको की व्याख्या	310=30
(□) तीन मे से दो सूक्तियो की सप्रसग व्याख्या	27½=15
(3) दो मे से एक चरित्र-चित्रण	1_{15}=15
5) दो में से एक समालोचनात्मक प्रश्न	1X10=10
6) दो में से एक अंक का सार	1X10=10

□□.□. संस्कृत ऑनर्स

दशम पत्र (निबन्ध, अनुवाद एव पत्र लेखन)

□□□□ 3 घण्टे — □□ □□- 80

□□□□	1.	साहित्यिक निबन्ध	30
		- □□, उपनिषद , □□□□□, □□□□□□, □□□, □□□, □□□□□□, भारवि, □□□, हर्ष, □□□□□, □□□, दण्डी	
□□□□	2.	□□□□□	
		i. संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	15
		ii. हिन्दी से संस्कृत अनुवाद	15
□□□□	2.	पत्र लेखन	20

दिशा निदेश-

□□□□-1 निर्धारित विषयो से सम्बद्ध 5 निबन्धो मे से किसी एक विषय पर कम से कम 250 शब्दो का ससकृत मे निबन्ध 30

□□□□-2 (□) अपठित संस्कृत गद्य का हिन्दी अनुवाद 15

(□) अपाठत हिन्दी गद्य का संस्कृत अनुवाद 15

□□□□-3 निम्नलिखित मे से पूछे गये किन्ही 3 मे से एक विषय पर संस्कृत मे पत्र लेखन- 20

(पिता का प , माता का पत्र, भाइ का प , बहन का प , मित्र का पत्र,

प्रधानाचाय का पत्र, कायालय अधिकारी का पत्र, समाचार पत्र क सम्पादक का प)